

फिजिकल एजुकेशन के छात्रों के लिए एथलेटिक्स परफॉरमेंस नॉर्म्स का कंस्ट्रक्शन

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता

असिस्टेंट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चरखारी, महोबा

अमूर्त (Abstract)

स्टडी का मकसद एथलेटिक्स इवेंट्स में फिजिकल एजुकेशन के स्टूडेंट्स की परफॉरमेंस को इवैल्यूएट करने के लिए नॉर्म्स बनाना था। झाँसी और प्रयागराज मंडल के अलग-अलग फिजिकल एजुकेशन कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज के डिपार्टमेंट से 1400 स्टूडेंट्स का सैंपल लिया गया। सब्जेक्ट्स को उनकी उम्र के हिसाब से दो ग्रुप्स में बांटा गया था, यानी 18 से 21 साल और 21 से 25 साल के लड़के और लड़कियां, हर उम्र के ग्रुप में 700 स्टूडेंट्स थे, जिसमें फिजिकल एजुकेशन के 400 लड़के और 300 लड़कियां थीं। एथलेटिक्स में सब्जेक्ट्स का परफॉरमेंस डेटा तीन टेस्ट आइटम्स यानी 100m, 200m और 400m के ज़रिए इकट्ठा किया गया। स्प्रिंट इवेंट्स (एथलेटिक्स) के लिए परसेंटाइल, हल, सिग्मा और T स्केल जैसे चार नॉर्मेटिव स्केल के साथ नॉर्म्स बनाए गए और नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन के तहत स्टूडेंट्स के इवैल्यूएशन के लिए स्टैंडर्ड भी बनाए गए।

कीवर्ड: स्प्रिंट, स्केल और फिजिकल एजुकेशन।